This question paper contains 2 printed pages     Roll No.

# 1102-IIA

**Hindi Lit.- II**

**B.A. (Part-I) EXAMINATION - 2022**

**(For Non-Colligiate Candidates)**

(Faculty of Arts)

(Three Year Scheme of 10+2+3 Pattern)

## HINDI LITERATURE - II

**द्वितीय प्रश्न-पत्र**

**( कहानी और गद्य की अन्य विधाएँ )**

Time Allowed : Three Hours     Maximum Marks : 100

*(i)* प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न-पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक उसके सामने अंकित हैं।

*(ii)* किसी भी परिक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

1. निम्नलिखित गद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

(क) पहलवान ने ऊपर से नीचे तक उसका जायजा लिया। अब्दुल गनी की आँखों में उसे देखकर एक चमक सी आ गयी थी। सफेद दाढ़ी के नीचे उसके चेहरे की झुर्रियाँ भी कुछ फैल गयी थी। रक्खे का निचला होंठ फड़का। फिर उसकी छाती से भारी-सा स्वर निकला, "सुना, गनिया!" 9

**अथवा**

"ग्रुप लीडर ने प्रस्ताव स्वीकार न किया। वह इतने यत्न से सधाये हुये और विशेषज्ञ लोगों को यथासंभव जोखिम में डालने के लिये तैयार न था। उसने हमें सुझाव दिया कि इस काम के लिये शेरपा लोगों को, मुंह मांगे इनाम का आश्वासन देकर उत्साहित किया जाये। शेरपा हमें साथ लिये बिना चलने को तैयार न थे।"

(ख) "पहली रात को ही मैंने संकल्प किया-मैं कॉलेज नहीं जाऊँगी। घर का सारा काम मैं करूँगी, जिससे चाची को पूरा आराम मिले और उनका गुस्सा ठंडा रहे। चाची कुछ भी कहेंगी तो चूँ तक नहीं करूँगी। वह प्रसन्न रहेंगी तो मुन्नू सुरक्षित रहेगा। मुन्नू को रात में बैठकर पढ़ाया करूँगी।" 9

**अथवा**

"मौनी क्षण-भर सन्नाटे में खड़ा रहा। दुल्लो तिनककर निकली। बोली" - "अब चुप क्यों हो गया, देवर ? बोलता क्यों नहीं ? देवरानी लाया है कि सास ! तेरी बोलती क्यों नहीं कढती ? ऐसी न समझियो तू मुझे ! रोटी तवे पर पलटते मुझे भी आँच नहीं लगती, जो मैं इसकी खरी-खोटी सुन लूँगी, समझा ? मेरी अम्माँ ने भी मुझे चूल्हे की मिट्टी खा के ही जना था। हाँ "



https://www.uoronline.com

(ग) ''सच तो यह है कि सिर्फ बर्फ को बहुत निकट से देख पाने के लिए ही हम लोग कौसानी गए थे। नैनीताल से रानीखेत और रानीखेत से मझकाली के भयानक मोड़ों को पार करते हुए कोसी। कोसी से एक सड़क अल्मोड़े चली जाती है, दूसरी कौसानी। कितना कष्टप्रद, कितना सूखा और कितना कुरुप है वह रास्ता। पानी का कहीं नाम निशान नहीं, सूखे भूरे पहाड़, हरियाली का नाम नहीं।'' 9

अथवा

''सोना भी इसी प्रकार अचानक आयी थी, परन्तु वह तब तक अपनी शैशवावस्था भी पार नहीं कर सकी थी। सुनहरे रंग के रेशमी लच्छों की गाँठ के समान उसका कोमल लघु शरीर। छोटा सा मुँह और बड़ी-बड़ी पानीदार आँखें। देखती थी तो लगता था कि अभी छलक पड़ेंगी। उनमें प्रसुप्त गति की बिजली की लहर आँखों में कौंध जाती थी।''

(घ) ''उसका यह प्रश्न उसका अपना नहीं था। उसने अनजाने नहीं, जानबूझकर ही उंगली उठाई थी उधर, जिधर मनुष्य को नंगा रखकर मनुष्य ने अपने मुनाफों के लिए बेशुमार कपड़ा तालों में बंद कर रखा था, जहाँ वस्तु मनुष्य के लिए न होकर पैसे के लिए थी। कितना बड़ा व्यंग्य और विद्रूप था यह कि आज कपड़ा बनानेवाले स्वयं नंगे थे!'' 9

अथवा

''उन्होंने कहा-जरा धीरज रखिए। हम कोशिश में हैं कि सूर्य बाहर आ जाए। पर इतने बड़े सूर्य को बाहर निकालना आसान नहीं हैं। वक्त लगेगा। हमें सत्ता के कम से कम सौ वर्ष तो दीजिए / दिए। सूर्य को बाहर निकालने के लिए सौ वर्ष दिए, मगर हर साल उसका छोटा-मोटा कोना तो निकलता दिखना चाहिए।'' https://www.uoronline.com

2. 'मलबे का मालिक' कहानी की मूल संवेदना लिखिए। 14

अथवा

'नमक का दरोगा' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए।

3. कहानी के तत्वों के आधार पर 'खच्चर और आदमी कहानी की समीक्षा कीजिए। 14

अथवा

'पिक्चर पोस्टकार्ड' कहानी के आधार पर शिक्षित युवाओं के जीवन के अन्तर्विरोधों पर प्रकाश डालिए।

4. 'अदम्य जीवन' रिपातार्ज की विशेषताएँ लिखिए। 14

अथवा

'ठेले पर हिमालय ' यात्रा वृतान्त का सार अपने शब्दों में लिखिए।

5. 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' एक सफल व्यंग्य रचना है। सिद्ध कीजिए। 14

अथवा

'बसंत के अग्रदूत: निराला' में वर्णित निराला के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2x4=8

(क) संस्मरण

(ख) आत्मवृत्त

(ग) हिन्दी कहानी का प्रेमचन्द युग

(घ) हिन्दी की महिला कहानीकार

-000-



https://www.uoronline.com